CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 20 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, गुरूवार, 25 अगस्त, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

एक्सप्रेस न्यूज

महाराष्ट्र विस में सत्ता पक्ष और विपक्ष में वाकयुद्ध

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा में बुधवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का समर्थन कर रहे शिवसेना विधायक और कुछ विपक्षी विधायक शुरू में एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के कुछ सदस्यों ने सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा गठबंधन को ताना मारने के लिए गाजर दिखाकर का प्रदर्शन किया। शिंदे गुट के विधायकों ने राकांपा विधायकों से गाजर छीनने की कोशिश की, जिससे सदन में तनाव फैल गया। बाद में दोनों पक्षों के अनुभवी विधायकों ने बीच-बचाव करके तनाव को शांत किया पर नारेबाजी कुछ देर और चलती रही।

अमिताभ बच्चन कोरोना वायरस से संक्रमित

मुंबई, (एजेंसी)। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। बच्चन ने देर रात ट्विटर पर इस बारे में जानकारी दी और उनके संपर्क में आए लोगों से तत्काल जांच कराने का अनुरोध किया। बता दें कि बच्चन इन दिनों टीवी गेम शो कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग में व्यस्त हैं। इससे पूर्व बच्चन साल 2020 में कोरोना संक्रमित हुए थे। अमिताभ बच्चन ने देर रात ट्वीट में लिखा, कोरोना वायरस से संक्रमित हो गया हूं। मेरे संपर्क में आए लोगों से तत्काल जांच कराने का अनुरोध करता हूं। कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग के बीच बच्चन संक्रमित हुए हैं। हालांकि उनके शो की शूटिंग संक्रमित होने से कुछ दिनों के लिए रोकी जा सकती है।

सीबीआई अनुव्रत को आसनसोल ले गई

कोलकाता/आसनसोल, (एजेंसी)। सीबीआई गिरफ्तार टीएमसी अनुब्रत मंडल को सीमा पार से कथित गौ तस्करी मामले में अदालत में पेश करने के लिए पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल ले गई है। टीएमसी की बीरभूम जिला इकाई के अध्यक्ष मंडल को उनके गांव निचुपट्टी स्थित आवास से 11 अगस्त को सीबीआई ने सीमा पार से चल रहे पशु तस्करी घोटाले में कथित रूप से सहयोग नहीं करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। शहर के निजाम पैलेस में पेश होने के लिए सीबीआई के दस सम्मनों की अनदेखी करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। पिछले 14 दिनों से मंडल सीबीआई की हिरासत में ही है।

व्हाट्सएप निज नीति पर आज फैसला आएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट 25 अक्टूबर को व्हाट्सएप की नई निज नीति पर प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच के खिलाफ फेसबुक (मेटा) और व्हाट्सएप की याचिका पर फैसला सुनाएगा। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच फैसला सुनाएगी। कोर्ट ने 25 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले सुनवाई के दौरान मेटा ने कहा था कि प्रतिस्पर्धा आयोग फेसबुक की केवल इस आधार पर जांच नहीं कर सकती है कि उसका व्हाट्स एप पर भी मालिकाना हक है। मेटा की ओर से वकील ने कहा था कि मेटा का मालिकाना अधिकार व्हाट्सऐप पर है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि प्रतिस्पर्धा आयोग निजता के सवाल पर जांच करे।

कश्मीर पर टिप्पणी, पूर्व मंत्री के खिलाफ केस दर्ज

पथनमथिट्टा (केरल), (एजेंसी)। केरल के पूर्व मंत्री के टी जलील के खिलाफ जम्मू-कश्मीर को 'भारतीय कब्जे वाले' के रूप में वर्णित करने और कश्मीर को पाकिस्तान के साथ 'आजाद कश्मीर' कहने के लिए पुलिस ने मामला दर्ज किया है। विश्वस्त सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने मंगलवार को तिरुवल्ला प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट के एक आदेश के बाद यह कार्रवाई की। विधायक जलील ने बाद में अपना बयान देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी का गलत अर्थ निकाला गया। दिल्ली के एक थाना में उनके खिलाफ दायर एक शिकायत में आरोप लगाया गया कि उनके बयान से सांप्रदायिक तनाव पैदा हुआ और भारत की अखंडता एवं संप्रभुता पर सवाल उठाया गया।

आज का इतिहास

- **1351:** सुल्तान फिरोजशाह तुगलक तृतीय की ताजपोशी हुई।
- **1768:** ब्रिटेन के जेम्स कुक अपनी पहली साहसिक समुद्री यात्रा पर निकले थे। इसी यात्रा में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की खोज और प्रशांत महासागर के जलमार्ग बताने वाले नक्शे तैयार किए।
- **1819:** स्कॉटिश आविष्कारक जेम्स वॉट का निधन।
- **1903:** ऑस्ट्रेलियाई संसद में न्यायपालिका अधिनियम पारित किया।
- **1916:** टोटनबर्ग के युद्ध में रूस ने जर्मनी को पराजित किया।
- **1921:** अमेरिका ने जर्मनी के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किए।
- **1957:** भारत ने फ्रांस में हुई पोलो वर्ल्ड चैम्पियनशिप फाइनल में जीत दर्ज कर विश्व विजेता का खिताब हासिल किया।
- **1963:** तत्कालीन सोवियत रूस के नेता जोसेफ स्टालिन के 16 विरोधियों को फांसी पर चढ़ा दिया गया।

परिसर में श्रृंगार गौरी मंदिर की नियमित पूजा-अर्चना करने की मांग पर लगाई थी याचिका

ज्ञानवापी केस में कोर्ट ने सुनवाई पूरी की, फैसला सुरक्षित

वाराणसी, (एजेंसी)। ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी मामले की सुनवाई में बुधवार को सतत तीसरे दिन वाराणसी के जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की कोर्ट में साढ़े तीन घंटे तक बहस चली। वादिनी महिलाओं की दलीलों पर अंजुमन इंतजामियां मसाजिद कमेटी ने अपनी जवाबी बहस बुधवार को खत्म की। हिंदू पक्ष ने भी अपना पक्ष रखा और अदालत ने पत्रावली को अपने पास सुरक्षित रखते हुए कहा कि वह 12 सितंबर को इस पूरे मामले पर अपना फैसला सुनाएगी।

1991 वार्शिप एक्ट लागू नहीं होता: हिंदू पक्ष ने कोर्ट से बाहर निकलते हुए मीडिया से बताया कि आज 7/11 के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। हम लोगों ने बुधवार की बहस में पूरी बातें रख दी हैं। इस पर आदेश 12 सितंबर को आएगा। वक्फ बोर्ड के नियम-कानून सिर्फ मुस्लिमों पर लागू होते हैं हिंदू पर नहीं। पुराने तथ्य उन्होंने कोर्ट में रखे। आलमगीर मस्जिद और वक्फ बोर्ड को आधार बनाकर उन्होंने बात रखी। हम लोगों ने सारे साक्ष्य रख दिए कि कहीं से भी ये मस्जिद नहीं है। यह मंदिर है। इस पर 1991 वार्शिप एक्ट लागू नहीं होता है।

फैसला हमारे पक्ष में होगा: हिंदू पक्ष ने कहा कि यह भी एक संयोग ही है कि जिस दिन इसका फैसला आएगा उस दिन भी सोमवार पड़ रहा है और कमीशन की कार्रवाई भी सोमवार को ही शुरू हुई, बाबा भी प्रकट सोमवार को ही हुए। ज्ञानवापी मस्जिद आदि विश्वेश्वर नाथ का मंदिर है जिसे तोड़ फोड़कर ये मस्जिद बनाकर नमाज पढ़ रहे हैं। इन्होंने कागज भी बिंदु माधव मंदिर का लगाया है। इनके पास कोई कागज नहीं है। इन लोगों ने आलमगीर मस्जिद का कागज लगाया है जो कि बिंदु माधव मंदिर को तोड़कर बनाया गया है। फैसला हमारे पक्ष में होगा, इसका पूर्ण विश्वास है।

1669 में बनी मस्जिद

अंजुमन इंतजामियां मसाजिद कमेटी की तरफ से कोर्ट में कहा गया की ज्ञानवापी मस्जिद वक्फ संपत्ति है। यह केस वक्फ बोर्ड में जाना चाहिए। सिविल कोर्ट में ये केस नहीं चल सकता है। मुस्लिम पक्ष की तरफ से कहा गया की 1936 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ था। 1944 में यह गजट में सामने आया था की ज्ञानवापी मस्जिद का नाम शाही मस्जिद आलमगीर है। इस पूरी संपत्ति को शहंशाह आलमगीर और बादशाह औरंगजेब की बताई गई थी। वक्फ करने वाले के तौर पर भी बादशाह आलमगीर का ही नाम दर्ज था। बादशाह औरंगजेब के संबंध में यह भी बताया गया कि 1400 साल पुराने शरई कानून के तहत वक्फ को दान की गई इस जमीन पर वर्ष 1669 में मस्जिद बनी और तभी से अभी तक वहां पर नमाज पढ़ी जा रही है।

गुपकार गठबंधन टूटा! अकेले चुनाव लड़ेगी नेशनल कॉन्फ्रेंस

श्रीनगर, (एजेंसी)। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वीली पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बुधवार को बड़ी घोषणा की। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बुधवार को स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में जब भी चुनाव होंगे वह सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी, न की गठबंधन के साथ मैदान में उतरेगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस संकेत के बाद राजनीतिक गलियारों में जम्मू-कश्मीर में गुपकार गठबंधन टूटने की चर्चा भी तेज हो गई है। जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनावों से पहले पार्टी की कश्मीर प्रांतीय समिति ने सर्वसम्मित से पारित एक प्रस्ताव में यह संकल्प लिया गया है कि नेकां को सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, महासचिव अली मोहम्मद सागर और कश्मीर क्षेत्र के पूरे नेतृत्व ने नेकां मुख्यालय में बैठक में भाग लिया जिसके बाद प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं उमर ने बैठक में शामिल लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं, लोगों और पार्टी के हितों की रक्षा की जाएगी। गुपकार गठबंधन पांच पार्टियों का बना एक गठबंधन है।

2019 को बनाया था पांच पार्टियों का समूह

बिहार में राजद फाइनेंसर समेत छह नेताओं पर सीबीआई का शिकंजा

42 जगहों पर सीबीआई-ईडी के छापे

नई दिल्ली/पटना ■ एजेंसी

सीबीआई और ईडी की टीम ने बुधवार को देशभर में 42 ठिकानों पर छापेमारी की। सीबीआई की टीम ने बिहार में ही राजद के छह नेताओं समेत 25 ठिकानों पर छापा मारा। इनमें राजद के दो राज्यसभा सांसदों के अलावा पूर्व विधायक, पूर्व एमएलसी, पार्टी के फाइनेंसर अबु दोजाना और लालू के ओएसडी रहे भोला यादव शामिल हैं। भोला बिहार में बालू माफिया के नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

एक टीम गुरुग्राम के अर्बन क्यूब 71 मॉल भी पहुंची है। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि मॉल लालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव का है। इसे दोजाना की कंपनी बना रही है। इधर, विधानसभा में तेजस्वी ने कहा- मॉल मेरा नहीं है। उसका उद्घाटन भाजपा सांसद ने किया था।

इन नेताओं के घर छापेमारी: सीबीआई ने राजद के छह नेताओं के घर छापा मारा। इनमें एमएलसी सुनील सिंह, राज्यसभा सांसद अशफाक करीम, राज्यसभा सांसद फैयाज अहमद, पूर्व विधायक अबु दोजाना, पूर्व एमएलसी सुबोध राय और लालू के करीबी और बालू माफिया सुभाष यादव शामिल हैं। सीबीआई की टीम सुबह आठ बजे इन नेताओं के घर पहुंची थी। लैंड फॉर जॉब के केस में पवांच सेल डीड का जिक्र था। बुधवार को 25 स्थानों पर हुई छापेमारी के दौरान सीबीआई ने अभी दावा किया है कि उनकी टीम के हाथ 200 सेल डीड के दस्तावेज मिले हैं। जांच एजेंसी इसे अपने हाथ लगे बड़ा सबूत मान रही है। पीआरओ के अनुसार छापेमारी की कार्रवाई अब खत्म हो गई है। छापे के दौरान सुनील सिंह अपने घर की बालकनी में नजर आए। सुनील और उनकी पत्नी ने छापों को बदले की कार्रवाई बताया है। सुनील सिंह ने कहा कि मुझे बाहर कर दिया है और मेरे घर में घुस गए।

लालू की फैमिली छापे पर भड़की: लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सीबीआई की कार्रवाई पर भाजपा का नाम लिए बगैर कहा- ये बलात्कारी पार्टी है। फ्लोर टेस्ट के पहले ही नीचता पर आ गई है। अपने पोसुआ (पालूत जानवर) को डराने के लिए भेजा है। राबड़ी देवी ने कहा कि हम चुप बैठने वाले लोगों में से नहीं हैं।

गुरुग्राम में तेजस्वी की कंपनी पर छह घंटे चली सीबीआई की रेड, टीम ने अहम दस्तावेज, लैपटॉप, प्रिंटर कब्जे में लिए

सीबीआई की टीमों ने व्हाइट लैंड कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के सेक्टर 71 के अंडर कंस्ट्रक्शन अर्बन क्यूब्स मॉल, उसके कॉरपरेट ऑफिस सेक्टर 65 के वर्ल्ड मार्ट की 10वीं मंजिल और सेक्टर 42 के लैंड बेस प्राइवेट लिमिटेड ऑफिस में छापेमारी की। करीब छह घंटे चली रेड के बाद सीबीआई ने कई अहम दस्तावेजों के अलावा लैपटॉप, प्रिंटर्स और अन्य संदिग्ध चीजों को कब्जे में लेकर तफ्तीश शुरू कर दी है। ऐसा दावा है कि बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की व्हाइट लैंड कॉरपोरेशन कंपनी में हिस्सेदारी है।

97 ई-बसों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली में बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को नई दिल्ली के राजघाट बस डिपो में 97 इलेक्ट्रिक बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया।

अतीक की 76 करोड की संपति कुर्क

प्रयागराज, (ब्यूरो)। बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद पर प्रदेश सरकार का लगातार शिकंजा कसते जा रही है। अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर के लखनऊ में सरेंडर करने के दूसरे दिन प्रयागराज मे पूर्व सांसद अतीक के सम्पति पर कुर्क की कार्रवाई जिला प्रशासन ने की। बाहुबली पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद की 76 करोड़ की तीन संपत्तियों को जिला प्रशासन ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क कर प्रशासन ने नोटिस लगा दिया है।

22 नवंबर से तीन चरण में होंगे निकाय चुनाव

उप्र ननि चुनाव 2022 की तिथि घोषित

लखनऊ, (ब्यूरो)। उप्र में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है। प्रदेश में 22 नवंबर से निकाय चुनाव तीन चरण में होंगे। मतदान सुबह 7.30 से शाम पांच बजे तक होगा। उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त एसके अग्रवाल ने निकाय चुनाव के मतदान की तिथि घोषित की। राज्य निर्वाचन आयुक्त एसके अग्रवाल ने बताया कि आचार संहिता लागू हो गई है। अब किसी भी ट्रांसफर, प्रमोशन व नियुक्ति पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि इस बार भी मतदान ईवीएम से ही होगा। पहले चरण के मतदान में पांच ननि व 71 नपा शामिल हैं। दूसरे चरण का मतदान 26 नवम्बर होगा। जिसमें 51 नगर निगम व नगर पालिका तथा 131 नगर पंचायत 131 शामिल हैं।

एसके अग्रवाल ने बताया कि 16 नगर निगम व 198 नगर पालिका के साथ ही 438 नगर पंचायत में मतदान होगा। इसके लिए प्रदेश भर में 11389 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नगर पालिका व नगर पंचायत में बैलेट पेपर से चुनाव होंगे। मतगणना एक दिसंबर को सुबह आठ बजे से होगी। राज्य सरकार ने निर्वाचन आयोग को चुनाव कार्यक्रम भेज दिया है।

आयोग ने इसी आधार पर बुधवार को अधिसूचना जारी की। इस बार 653 निकायों में 12007 वार्डों में चुनाव होगा। मेयर की 16 सीटों, पालिका परिषद चेयरमैन की 199 तथा नगर पंचायत की 429 सीटों पर मतदान होना है। 10 फीसदी मतदान केंद्रों को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इन केंद्रों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। नगर निगम के चुनाव ईवीएम से जबकि नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के चुनाव बैलेट पेपर से होंगे। बैलेट पेपर पर प्रत्यशी की फोटो भी होगी।

- **पहले चरण का मतदान 22 नवंबर को होगा (24 जिले)**
- **दूसरे चरण का मतदान 26 नवंबर को होगा (25 जिले)**
- **तीसरे चरण का 29 नवंबर को मतदान होगा(26 जिले)**
- **एक दिसंबर को आएंगे चुनाव परिणाम**

हेल्थकेयर सिस्टम तभी मजबूत जब वह हर तरह से समाधान दे

कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

मोहाली, (पंजाब),(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश की स्वास्थ्य सेवाओं का भी विकसित होना जरूरी है और सरकार इसके लिए एक नहीं छह-छह मोर्चों पर काम कर रही है।

श्री मोदी ने कहा कि देशवासियों को आधुनिक अस्पताल और इलाज की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और वे शीघ्र स्वस्थ होंगे तो उनकी ऊर्जा सही दिशा में लगेगी। प्रधानमंत्री यहां होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पंजाब के गर्वनर बनवारी लाल पुरोहित व मुख्यमंत्री भगवंत मान सिंह भी उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने गत आठ वर्षों देश में समग्र स्वास्थ्य सेवा सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है। अच्छी स्वास्थ्य सेवा सुविधा प्रणाली का मतलब सिर्फ चारदीवारें बनाना नहीं होना है, हेल्थकेयर सिस्टम तभी मजबूत माना जाता है जब वह हर तरह से समाधान दे और देश का हर कदम पर साथ दे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए एक नहीं, दो नहीं, छह मोर्चों पर काम कर रही है। **पहला मोर्चा** निवारक स्वास्थ्य सुविधा को बढ़ावा देने का है, **दूसरे मोर्चे** पर गांवों के लिए छोटे और आधुनिक अस्पताल खोलने का अभियान है। **तीसरा मोर्चा** शहरों में चिकित्सा महाविद्यालय और चिकित्सा अनुसंधान के बड़े संस्थान खोलने का है। **चौथे मोर्चे** पर देश भर में चिकित्सकों और अर्द्धचिकित्सा कर्मियों की संख्या बढ़ाने का काम हो रहा है। सस्ती दवाइयां,सस्ते उपकरण उपलब्ध कराने के **पांचवें मोर्चे** पर काम हो रहा है और **छठा मोर्चा** है..टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल करके होने वाली मुश्किलें कम करने का। श्री मोदी ने कहा कि 2014 से पहले देश भर में 400 से भी कम मेडिकल कॉलेज थे, बीते आठ वर्ष में 200 से ज्यादा नये मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं।

उमरे मुख्यालय में राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज, (ब्यूरो)। सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार राजभाषा के प्रयोग में बहुआयामी प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उमरे महाप्रबंधक कार्यालय में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा किए जा रहे राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के कार्यों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों की आकर्षक प्रस्तुति की गई।

इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने मंगल दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने कहा कि हमारी रेलवे पूरी तरह हिंदीभाषी क्षेत्र में है, अतः हमें पूरी प्रतिबद्धता एवं दायित्व भावना के साथ अपने सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए और राजभाषा हिंदी के निरंतर प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में हमें अग्रणी रेलवे की भूमिका निभानी चाहिए।

महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा किए जा रहे राजभाषा हिंदी केउत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। इस क्रम में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित मदों के अनुसार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा हिंदी में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एसके सिंह, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक नवीन कुमार, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी एमके गुप्ता, सचिव/महाप्रबंधक अजयसिंह, उप महाप्रबंधक/सामान्य अंकुर चंद्रा, उप महाप्रबंधक/विधि उल्लास कुमार एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

अपराधी को पुलिस का खौफ हो, जनता में हो सम्मान

लखनऊ (ब्यूरो) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते पांच सालों के दौरान प्रदेश में पुलिस की छवि में बदलाव आने का दावा करते हुए कहा है कि पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली का परीक्षण तब होता है जब अपराधी के मन में पुलिस के प्रति खौफ हो और आम आदमी के मन में सम्मान का भाव हो।

मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को 190 आवासीय भवनों का पुलिस विभाग को तोहफा देते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाओं से लैस किया जा रहा है जिससे उनकी कार्यक्षमता बेहतर हो सके। योगी ने यहां 190 आवासीय भवनों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए प्रदेश में अच्छे बैरक बनवा गये हैं। उन्होंने पुलिस तंत्र को अत्याधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिये महकमे को बधाई दी। योगी ने कहा कि पांच साल पहले पुलिस और प्रदेश, दोनों की छवि अच्छी नहीं थी। योगी ने कहा कि पहले कोई अपने आपको सुरक्षित नहीं समझता था। स्थिति को सुधारने के लिये मैनें पुलिस लाइनों का निरीक्षण किया। पुलिस महकमे में 1.62 लाख से ज्यादा भर्तियां की, पुलिसकर्मियों की उचित ट्रेनिंग की व्यवस्था कराई, पुलिस में आधुनिकीकरण की व्यवस्था कराई गई, 05 साल में कानून व्यवस्था को बेहतर किया। इसलिये पिछले पांच साल में किये गये कामों का परिणाम आज दिख रहा है।

प्रयागराज में किन्नर को महापौर बनाने की तैयारी

प्रयागराज, (ब्यूरो)। गोरखपुर की तरह प्रयागराज में भी किन्नर महापौर बनाने की तैयारियां व्यापक स्तर पर शुरू हो गई है। दर्जनभर संस्थाओं ने उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और किन्नर अखाडा उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि (टीना मां) का प्रयागराज के महापौर पद के लिए समर्थन करते हुए चुनाव में उतारने की तैयारियां शुरू कर दी हैं ।

एक्शन भौमिक की भाजपा में वापसी के पक्ष में सीएम एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माणिक साहा

तृणमूल ने त्रिपुरा प्रदेश अध्यक्ष को किया बर्खास्त

राजीव बनर्जी, सुष्मिता देव नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक पार्टी कामकाज को देखेंगे

अगरतला, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को त्रिपुरा प्रदेश अध्यक्ष सुबल भौमिक को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। प्रदेश अध्यक्ष को पार्टी में शामिल होने के एक वर्ष के अंदर ही बुधवार को अचानक बर्खास्त कर दिया गया।

पार्टी ने एक बयान में कहा कि सुबल भौमिक को तत्काल प्रभाव से त्रिपुरा तृणमूल कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है। राज्य के प्रभारी राजीव बनर्जी और राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक पार्टी के कामकाज को देखेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक श्री भौमिक भारतीय जनता पार्टी में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें हालांकि अभी इस संबंध में अंतिम आदेश नहीं प्राप्त हुआ है। सूत्रों अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की शनिवार की त्रिपुरा यात्रा के दौरान इस मामले को अंतिम रूप दिया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव और मौजूदा केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सामाजिक न्याय राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक के करीबी नेताओं का एक वर्ग श्री भौमिक की पार्टी में वापसी के विरोध में है। मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माणिक साहा और उपमुख्यमंत्री जिष्णु देव वर्मा श्री भौमिक की वापसी के पक्ष में हैं। श्री भौमिक ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले श्री देव के साथ अनबन के बाद भाजपा छोड़ दी थी।

तत्कालीन मुख्यमंत्री ने पश्चिम त्रिपुरा निर्वाचन क्षेत्र से श्री भौमिक की उम्मीदवारी को ठुकरा दिया था जिससे वह नाराज हो गए थे। श्री भौमिक तब कांग्रेस में शामिल हो गए और पश्चिम त्रिपुरा से सुश्री प्रतिमा भौमिक के खिलाफ चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए।

दल ने चुनाव में 'बड़े पैमाने पर धांधली और चुनाव में हेरफेर' के आरोप लगाए थे। भारत के निर्वाचन आयोग को पश्चिम त्रिपुरा संसदीय क्षेत्र में कुल 1679 मतदान केंद्रों में से 168 मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान करना पड़ा।

त्रिपुरा एडीसी के विपक्षी नेता ने छोड़ी भाजपा, टीआईपीआरए में शामिल

त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दौरे से तीन दिन पहले राज्य के जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (एडीसी) में विपक्ष के नेता के रूप में हंगशा कुमार त्रिपुरा ने भाजपा छोड़ दी है और तिप्राहा स्वदेशी प्रगतिशील क्षेत्रीय गठबंधन (टीआईपीआरए) में शामिल हो गए। शाही वंशज प्रद्योत किशोर देववर्मन का तप्राहा स्वदेशी प्रगतिशील क्षेत्रीय गठबंधन एडीसी चलाता है। श्री हंगशा ने मंगलवार को धलाई जिले के करमचेरा और चौमानू आदिवासी आरक्षित विधानसभा क्षेत्रों के 6000 अनुयायियों के साथ श्री प्रद्योत की पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने भाजपा पर 'सांप्रदायिक राजनीति' में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्य में 'ऊपर से नीचे' तक 'बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार' ने विकास की गति को नीचे खींच लिया है। उन्होंने कहा कि सब का साथ, सब का विकास (सबका साथ, सभी के लिए विकास) के नाम पर, भाजपा लोगों को झांसा दे रही है।

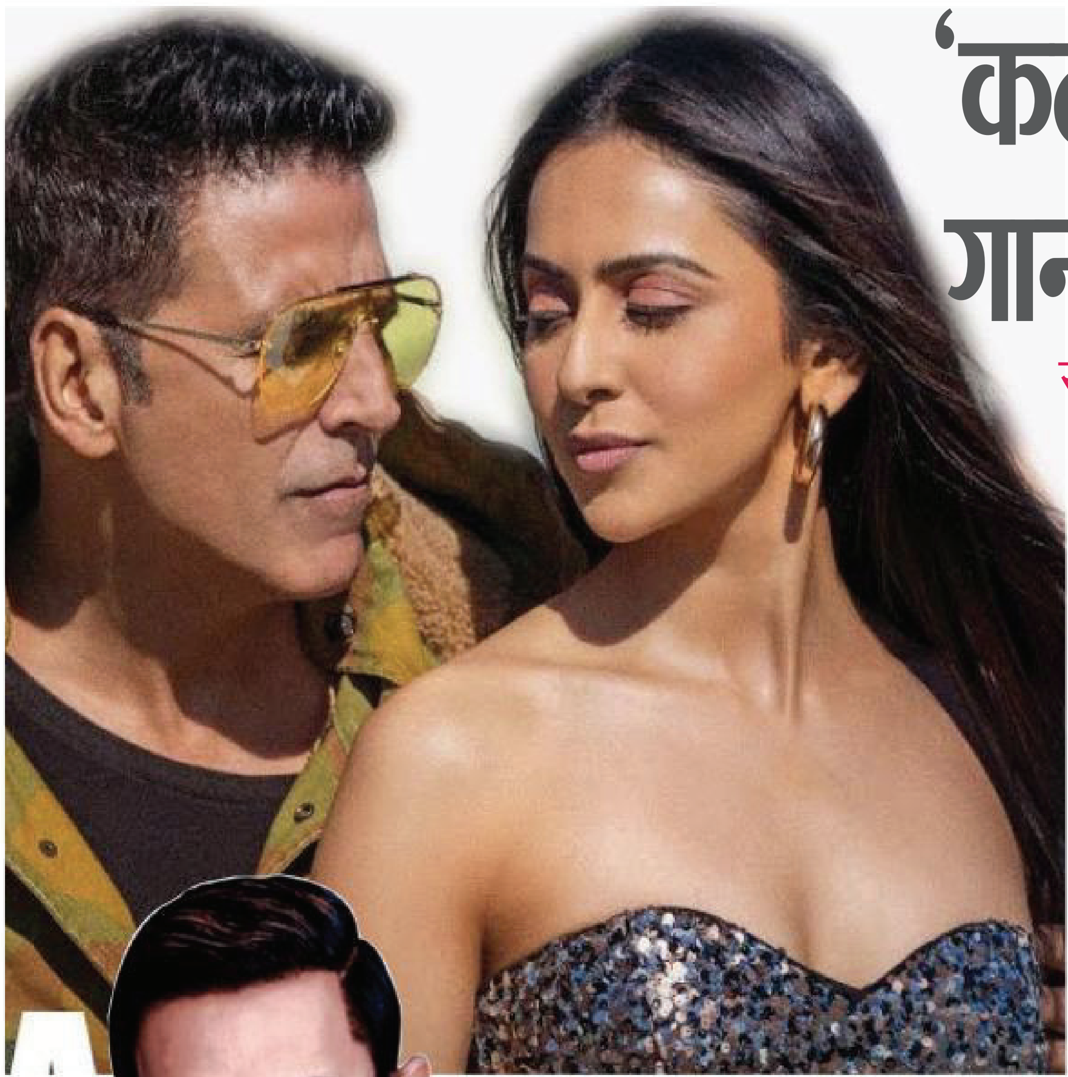

'कठपुतली' का पहला गाना 'साथिया' रिलीज

रकुल प्रीत सिंह संग रोमांस करते दिखे अक्षय कुमार

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की अगली फिल्म 'कठपुतली' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अब इस का पहला गाना 'साथिया' रिलीज हो गया है। इस गाने में अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह संग रोमांस करते नजर आ रहे हैं। गाने में अक्षय और रकुल प्रीत सिंह का रोमांटिक अंदाज देखने को मिल रहा है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आ रहा है। 'साथिया' गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को जहरा एस खान और निखिल डिसूजा ने गाया है। वहीं गाने के बोल और म्यूजिक तनिष्क बागची ने दिया है। 'कठपुतली' तमिल फिल्म 'रत्सासन' का रीमेक है। इस फिल्म में अक्षय कुमार एक पुलिस का रोल में नजर आने वाले हैं। जो अपराधियों को पकड़ने के लिए हर हद को पार कर जाने को तैयार रहते हैं। फिल्म कठपुतली को जैकी भगनानी और दिपशिखा देशमुख के फैमिली बैनर पूजा एंटरटेनमेंट के तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। 'कठपुतली' को रंजीत एम तिवारी निर्देशित कर रहे हैं। तमिल फिल्म 'रत्सासन' एक साइको किलर की कहानी है, जो स्कूल की बच्चियों को अपना शिकार बनाता है। इस फिल्म में लीड किरदार एक्टर विष्णु विशाल ने निभाया था। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 2 सितंबर को रिलीज होगी।

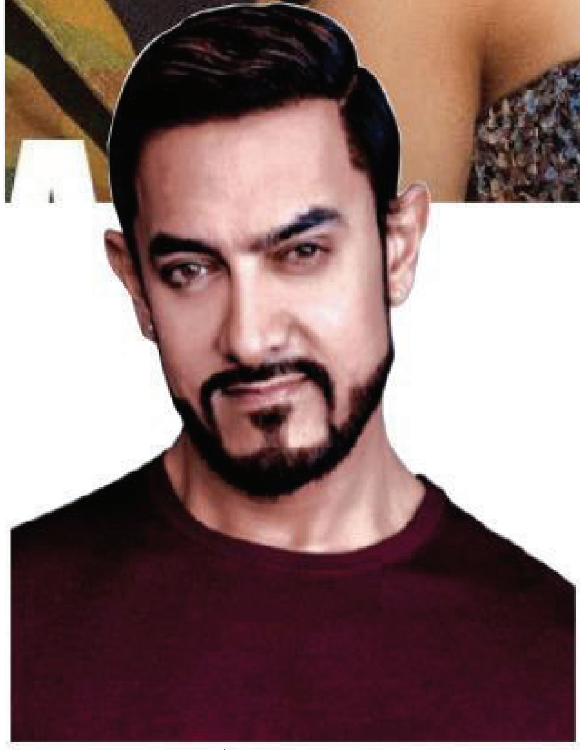

तलाक के बाद हर हफ्ते एक्स वाइफ से मिलते हैं आमिर

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान, करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' के अपकमिंग एपिसोड में नजर आने वाले हैं। शो में उन्होंने अपनी दोनों एक्स पत्नियों के साथ अपनी इक्वेशन के बारे में बात करते हुए कहा, 'मेरे दिल में उन दोनों के लिए बहुत सम्मान और इज्जत है। हम लोग हमेशा परिवार ही रहेंगे।' आमिर के बारे में मीडिया में ऐसी खबरें आती हैं कि तलाक के बाद उनके रीना दत्ता और किरण राव के साथ रिश्ते में कड़वाहट आ गई है। इस बारे में बात करते आमिर कहते हैं, 'चाहें हम कितने भी बिजी रहें, लेकिन हम सभी हफ्ते में एक बार एक दूसरे से मिलते हैं। हमारे बीत एक दूसरे के लिए सच्ची केयर, प्यार और रिस्पेक्ट है।' बता दें शो में आमिर अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की को-स्टार करीना कपूर के साथ दिखाई दिए।

सनी लियोनी को है यह बुरी आदत, हर 15 मिनट में करती हैं...

सनी लियोनी बॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे चर्चित एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सनी लियोनी की एक बुरी आदत है जिसे जानकर शायद आप भी हैरान रह आएंगे। उनकी इस आदत की वजह से कई बार एक्टर और डायरेक्टर भी परेशान हो जाते हैं। सनी को बार-बार पैर धोने की आदत है। वह हर 15 मिनट में अपने पैर धोती हैं। सनी न केवल घर पर बल्कि फिल्म की शूटिंग के दौरान भी बार-बार पैर धोती हैं। चाहे शूटिंग चल रही हो या फिर देर ही क्यों ना हो जाए सनी अपने पैर धोना नहीं भुलतीं। पता नहीं सनी को क्या फोबिया है? सनी ने एडल्ट इंडस्ट्री छोड़कर साल 2012 में फिल्म 'जिस्म 2' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस से भारत में खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

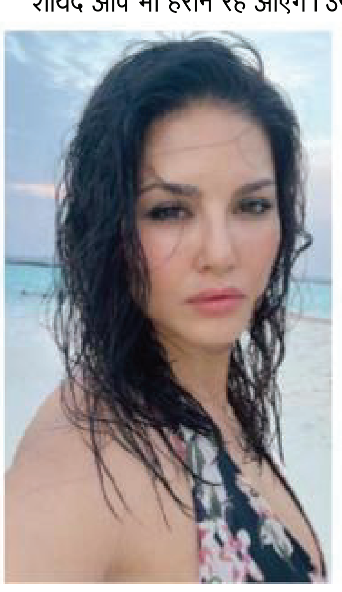

रितिक रोशन-सैफ अली खान की 'विक्रम वेधा' का धमाकेदार टीजर रिलीज

बॉलीवुड सुपरस्टार रितिक रोशन और सैफ अली खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'विक्रम वेधा' का धमाकेदार टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म का टीजर एक्शन से भरपूर सीन्स के साथ दर्शकों के लिए एक प्लेजन्ट सरप्राइज के रूप में सामने आया है और दिलचस्प कहानी की झलक दिखाता है। फिल्म का 1 मिनट 46 सेकंड लंबा टीजर विक्रम वेधा की दुनिया को अच्छी तरह से दर्शाता है। टीजर मजेदार डायलॉग्स, बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस और बहुत ही कैची बैंकग्राउंड म्यूजिक के साथ भावनाओं पर आधारित ड्रामा से भरपूर है। कुल मिलाकर विक्रम वेधा का शानदार टीजर एक कंप्लीट एंटरटेनमेंट का वादा करता है। टीजर को रितिक रोशन, सैफ अली खान और निर्माताओं पुष्कर-गायत्री के साथ सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी काफी तारीफ और अच्छे रिव्यूज मिल रहें है। ऐसे में दर्शकों को अब बस फिल्म के 30 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में लगने का इंतजार है। विक्रम वेधा पुष्कर-गायत्री द्वारा लिखित और निर्देशित एक एक्शन-थ्रिलर है। विक्रम वेधा की कहानी ट्विस्ट और टर्न से भरी है, क्योंकि एक सख्त पुलिस वाला विक्रम (सैफ अली खान) एक खतरनाक गैंगस्टर वेधा (रितिक रोशन) को ट्रैक करने और उसका पीछा करने के लिए निकलता है। जो एक तरह से एक बिल्ली और चूहे को पड़कने जैसा लगता है। 'विक्रम वेधा' को गुलशन कुमार, टी-सीरीज फिल्म्स और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा फाइडे फिल्मवर्क्स और ड्डह्हक्ष स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित और एस शशिकांत और भूषण कुमार द्वारा निर्मित हैं। ये फिल्म दुनियाभर में 30 सितंबर 2022 को रिलीज होगी।

फिल्म 'हड्डी' से सामने आया नवाजुद्दीन सिद्दीकी का फर्स्ट लुक

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने दमदार अभिनय से एक अलग पहचान बनाई है। नवाजुद्दीन जल्द ही फिल्म 'हड्डी' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म से उनका फर्स्ट लुक सामने आया है। इस फर्स्ट लुक पोस्टर में नवाजुद्दीन एकदम अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। इस के इस मोशन पोस्टर में नवाजुद्दीन एक महिला के किरदार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने ग्रे कलर का शिमरी गाउन पहना हुआ है। साथ ही बोल्ड मेकअप और स्टाइलिश हेयरस्टाइल बनाया हुआ है।

'हड्डी' जी स्टूडियोज, आनंदिता स्टूडियोज (राधिका नंदा, संजय साहा) द्वारा निर्मित और अक्षत अजय शर्मा द्वारा निर्देशित एक नियोर रिवेंज ड्रामा है। यह अक्षत अजय शर्मा और अदम्य भल्ला द्वारा सह-लिखित हैं। लेखक और निर्देशक अक्षत अजय शर्मा ने कहा, यह हमारे लिए डबल वैमी होने वाली है, क्योंकि 'हड्डी' के जरिए मुझे नवाजुद्दीन के साथ सहयोग करने का मौका मिला है। हमारी टीम उम्मीद कर रही है कि मोशन पोस्टर दर्शकों की रुचि को आकर्षित करेगा क्योंकि हम इसकी एक नई दुनिया की गहराईयों में गोते लगाते के लिए उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। नवाजुद्दीन सिद्दीकी कहते हैं, मैंने अलग-अलग दिलचस्प किरदार निभाए हैं, लेकिन हड्डी एक अनोखा और खास किरदार होगा क्योंकि इसमें मैं पहले कभी न देखे गए लुक को स्पोर्ट करूंगा और यह मुझे एक अभिनेता के रूप में मेरी कैपेबिलिटी को आगे बढ़ाने में भी मदद करेगा। फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए वेट कर रहा हूं।

वहीं आनंदिता स्टूडियोज का कहना है कि हड्डी जैसे अनोखे प्रोजेक्ट पर काम करना एक बेहतरीन मौका रहा है। हम जी स्टूडियो के साथ फिल्म में सहयोग करने के लिए खुश और समान रूप से उत्साहित हैं!' जी स्टूडियोज 'हड्डी' आनंदिता स्टूडियोज (राधिका नंदा, संजय साहा) द्वारा निर्मित और अक्षत अजय शर्मा द्वारा निर्देशित हैं। यह फिल्म अक्षत अजय शर्मा और अदम्य भल्ला द्वारा लिखी गई हैं और 2023 में रिलीज होगी।

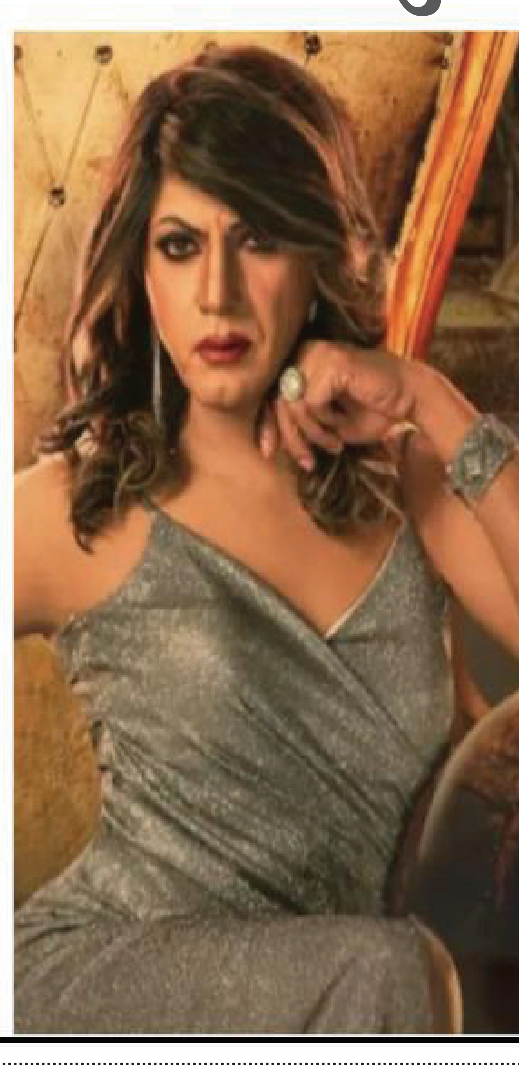

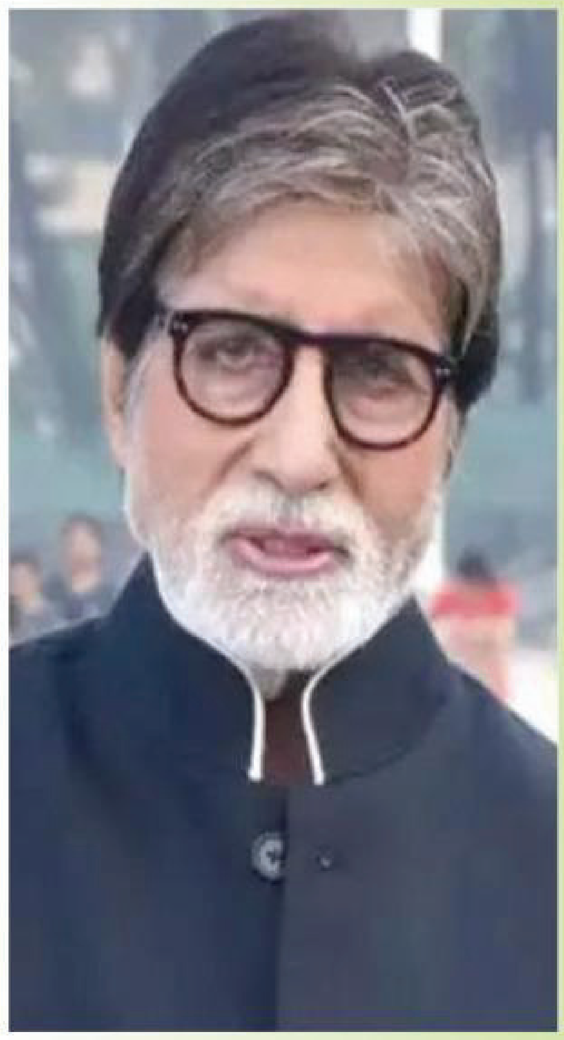

कोरोना वायरस से संक्रमित हुए अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक के रूप में विख्यात अभिनेता अमिताभ बच्चन कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ही ट्वीट कर दी है। इसके साथ ही अमिताभ बच्चन ने यह भी कहा है कि उनके संपर्क में आए लोग तुरंत जांच करा लें। अपने ट्वीट में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि कोरोना वायरस से संक्रमित हो गया हूं... मेरे संपर्क में आए लोगों से तत्काल जांच कराने का अनुरोध करता हूं। आपको बता दें कि दूसरा मौका है जब अमिताभ बच्चन कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। इससे पहले जुलाई 2020 में भी अमिताभ बच्चन कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। उस दौरान उनके पुत्र अभिषेक बच्चन के साथ ही ऐश्वर्या राय बच्चन और पोती आराध्या बच्चन भी कोरोना वायरस की चपेट में आ गई थी।

आपको बता दें कि बॉलीवुड के कई अभिनेता इन दिनों कोरोना वायरस के संक्रमण में आए हैं। फिलहाल अमिताभ बच्चन एक गेम शो को होस्ट कर रहे हैं। इस दौरान वह कई लोगों के संपर्क में भी आते हैं। अमिताभ बच्चन घर पर भी हैं। उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। अमिताभ बच्चन कई प्रोजेक्ट में भी व्यस्त हैं। इससे पहले वे अजय देवगन की फिल्म रनवे 34 में नजर आए थे। दूसरी ओर रणवीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है जो 9 सितंबर को रिलीज हो रही है। अमिताभ बच्चन के कोरोना वायरस संक्रमित होने के बाद कौन बनेगा करोड़पति शो कि शूटिंग पर असर पड़ सकता है। अब देखना होगा कि इस गेम शो के मेकर नुकसान से बचने के लिए क्या उपाय करते हैं।

श्वेता बच्चन और अगस्त्य नंदा के साथ डिनर करने पहुंचीं सुहाना

सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान हाल ही में अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन नंदा और उनके बेटे अगस्त्य के साथ स्पॉट हुईं। ये तीनों मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर नजर आए। इस दौरान सुहाना ने ब्लैक क्रॉप टॉप और ब्लू कलर की जींस के साथ कैजुअल शूज पहन रखे थे। सुहाना के इस क्लासी लुक की फैंस खूब तारीफ कर रहे हैं। बता दें, सुहाना जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म फिल्म 'द आर्चीज' में नजर आएंगी।

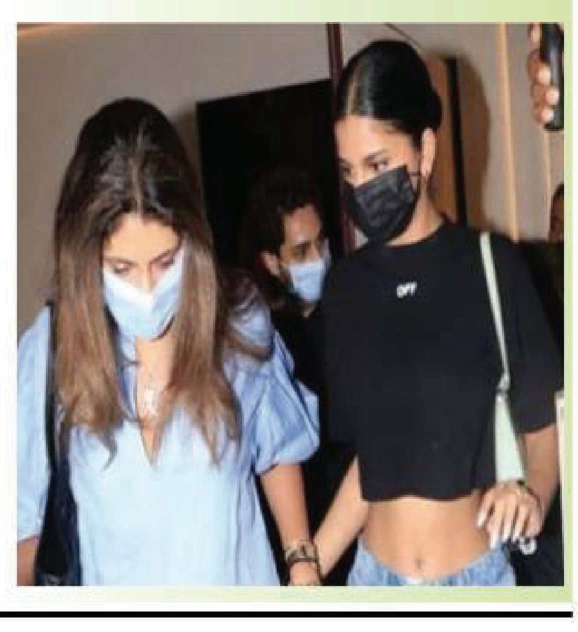

संपादकीय

सीधी भर्ती भी सही

निस्संदेह 21वीं सदी के भारत में वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा व प्रशासनिक व्यवस्था में विशेषज्ञों की दरकार है, जो आधी सदी पुरानी औपचारिक पात्रता के मापदंडों से मुक्त हों। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि नई व्यवस्था धनबल, राजनीतिक प्रभाव व अन्य किसी दबाव से प्रभावित न हो। यह जानते हुए कि देश में बड़ी आर्थिक विषमता है और सदियों से वंचित समाज को संविधान ने आगे बढ़ने के लिये विशेष अवसर दिये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि संवैधानिक मापदंडों के अनुरूप कानून सम्मत रोजगार चयन प्रक्रिया में चतुर-चालाक व धनबल के उपासक छिद्र तलाश लेते हैं। पारदर्शिता के मानकों व चयन प्रक्रिया को धता बता कर अकसर चयन परीक्षाओं के पेपर आउट होने से लेकर साक्षात्कार में धांधली के मामले उजागर होते रहते हैं। बहरहाल, पिछले दिनों दो फैसलों ने सबका ध्यान खींचा। पहला यह कि देश के विश्वविद्यालयों व उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में विदेशी छात्रों के नामांकन के लिये 25 फीसदी अतिरिक्त सीटें सृजित करने की अनुमति दी जायेगी। साथ ही विदेशी विद्यार्थियों को भारत में दाखिले के लिये प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। पहली बार सुनने में अच्छा लगता है कि फैसला देश की वैश्विक स्तर पर शैक्षिक प्रतिष्ठा बढ़ायेगा। दुर्लभ विदेशी मुद्रा का अर्जन होगा। लेकिन बिना परीक्षा के प्रवेश देने के नुकसान भी बने रहेंगे। इससे उन धनाढ्य विदेशी परिवारों के बच्चों को डिग्री लेने का सुगम अवसर मिल जायेगा, जो अपने देश में इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं ले पाते। निस्संदेह, इससे डिग्री की गुणवत्ता व शैक्षिक परिदृश्य पर प्रभाव पड़ सकता है। वहीं दूसरे फैसले में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की हाल ही में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय व उच्च शिक्षण संस्थान शीघ्र ही स्थापित विशेषज्ञों को एक नई श्रेणी के तहत फैकल्टी मेंबर के रूप में नियुक्त कर सकेंगे जिनके लिये औपचारिक अकादमिक पात्रता एवं प्रकाशन से जुड़ी शर्त अनिवार्य नहीं होगी। दरअसल, नीति-नियंताओं का मानना है कि पेशेवर प्रोफेसरों वाली इस योजना में इंजीनियरिंग, विज्ञान, मीडिया, साहित्य, उद्यमित्ता, सामाजिक विज्ञान, ललित कला,लोक सेवा व सशस्त्र बल आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ इस श्रेणी में नियुक्ति पा सकेंगे। विषय में विशेषज्ञता व लंबा अनुभव वरिष्ठ स्तर पर होना अनिवार्य होगा। साथ ही जरूरी है कि दायित्व निभाने का कौशल भी उनके पास हो। ये नियुक्तियां तीन श्रेणियों में होंगी। वहीं 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' की संख्या मंजूर पदों से दस फीसदी से अधिक नहीं होगी। साथ ही वित्त पोषण उद्योग, उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा किया जायेगा, वहीं मानद आधार पर तीसरी श्रेणी में नियुक्ति होगी। ये नियुक्तियां विश्वविद्यालय व कालेजों के मंजूर पदों से इतर होंगी। निस्संदेह कई मौलिक प्रतिभाएं विषमताओं अथवा पेशेगत बाध्यताओं के चलते औपचारिक अकादमिक पात्रता हासिल नहीं कर पातीं लेकिन प्रतिभा बेजोड़ होती है। दूसरे हमारे शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों की एक दिक्कत यह भी रही है कि वे शिक्षा व शोध को देश की व्यावहारिक जरूरतों से नहीं जोड़ पाये हैं। ऐसे में विभिन्न क्षेत्रों के व्यावहारिक अनुभव से छात्र लाभान्वित हो सकेंगे। लेकिन यक्ष प्रश्न है कि इसके मूल में सत्ता का खेल न हो। केंद्रीय सत्ता द्वारा अपनी विचारधारा व मातृ संस्थाओं के लोगों की उच्च शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों में भर्ती के शार्टकट तरीके अपनाने के आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं। दरअसल, इससे पहले वर्ष 2018 में केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के जरिये सरकारी विभागों में संयुक्त सचिव स्तर पर सीधी भर्ती की थी। 2019 में अधिकारियों को पदों पर तैनात भी कर दिया गया। आमतौर पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा व अन्य केंद्रीय सेवा परीक्षा के चयनित अधिकारियों को कैरियर में लंबे अनुभव के बाद ये पद मिलते रहे हैं। हालांकि, बाद में कार्मिक मंत्रालय ने चयन प्रक्रिया का जिम्मा नौकरशाह चुनने वाली यूपीएससी को सौंपा था। दरअसल नीति आयोग का मानना था कि निश्चित अवधि के लिये लेटरल एंट्री के जरिये दक्षता रखने वाले विशेषज्ञों को व्यवस्था में शामिल किया जाये। तब विपक्ष ने आरक्षण नियमों का पालन न करने तथा संस्थाओं के भगवाकरण के प्रयास के आरोप लगाये थे।

नौकरी के बदले लाठियां

पटना में नौकरी के लिए सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस लाठीचार्ज राज्य सरकार के लिए निहायत ही शर्मनाक वाकया है। तकलीफ ज्यादा इसलिए भी है क्योंकि अतिरिक्त जिला अधिकारी (एड़ीएम-कानून-व्यवस्था) ने खुद एक प्रदर्शनकारियों को पीटा जबकि उस प्रदर्शनकारी के हाथ में राष्ट्रीय ध्वज था। हालांकि उप मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं मगर यह वाकई शर्मसार करने वाली घटना है। नई सरकार के लिए शिक्षकों की मांगों को सुने बिना ऐसी कार्रवाई से निश्चित रूप से शिक्षक बनने की उम्मीद लगाए प्रतिभागियों का भरोसा टूटेगा। प्रदर्शनकारी पिछले तीन साल से सरकार के आश्वासन के सहारे समय बिता रहे हैं। उनकी हर इक मांग पर सरकार का रवैया बेहद चलताऊ किस्म का रहा है। नीतीश कुमार पिछले 15 वर्षों से शासन की बागड़ोर संभाले हुए हैं। यहां तक कि शिक्षा महकमा भी उन्हीं की पार्टी जनता दल (यू) के कोटे में है, फिर भी शिक्षक भर्ती में तमाम गड़बड़ियां और लेटलतीफी है। कई अभ्यर्थी नौकरी के लिए जरूरी उम्र को पार करने के मुहाने पर हैं तो किसी को नियुक्ति पत्र नहीं मिला है। इन सब अनियमितताओं के कारण शिक्षक अभ्यर्थियों में सरकार के खिलाफ गुस्ता और तकलीफ दोनों है। उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि जो सरकार 10 लाख नौकरियां देने और 20 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा करती है, वह वर्षों से अभ्यर्थियों आश्वासन का लालीपॉप दे रही है। ठीक है कि सरकार के स्तर पर राज्य में उथल-पुथल मची हुई है, मगर सीटीईटी व टीईटी परीक्षा पास करके अपनी नौकरी के इंतजार में एक-एक रोज गिनने वाले शिक्षक अभ्यर्थियों का कोई पुरसाहाल नहीं है। शायद अपनी नाकामियों पर पर्दा ड़ालने के लिए सरकार प्रशासन को बर्बर होने का अघोषित लाइसेंस दे देती है। नीतीश के शासन में शिक्षकों पर लाठीचार्ज की यह कोई पहली घटना नहीं है। जिस नीतीश मॉड़ल की चर्चा देश-दुनिया में होती रही है उसके शासनकाल में नौकरी की मांग करने वालों को पीटकर अधमरा करने का 'मॉड़ल' सर्व समावेशी तो कतई नहीं है। सरकार में अगर थोड़ी सी भी ईमानदारी और नैतिकता बची है तो वह जल्द-से-जल्द उन खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया को सुचारू करे। हां, अपने ओहदे की गरिमा को नहीं समझने वाले एड़ीएम के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई जरूरी है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं- हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते हो- प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!' झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

हिमालय में गंभीर होता पर्यावरणीय संकट

कुलभूषण उपमन्यु

इस साल की बरसात पूरे देश के लिए तबाही ले कर आई है। किन्तु हिमालयी क्षेत्रों में जैसी तबाही हुई है, वह अभूतपूर्व है। हिमाचल प्रदेश में शिमला-सिरमौर से लेकर चंबा तक तबाही का आलम पसर गया है। सड़कें बंद हैं। चक्की का रेल पुल बह गया है। बहुमूल्य जन-धन की क्षति हुई है। सिहुंता घाटी में 135 लोगों को घरों से निकाल कर जनजातीय भवन में आश्रय दिया गया है। मंडी में 22 लोग काल का ग्रास बन गए। प्रदेश में कई लोग अभी लापता हैं। 18 अगस्त से 20 अगस्त की दोपहर तक बारिश की भयावहता से लोग कांप गए। 48 घंटे में ही धर्मशाला से सिहुंता घाटी तक 500 मिलीमीटर बारिश हो गई। पूरे प्रदेश में अगस्त में इस क्षेत्र में औसत 349 मिलीमीटर से 600 मिलीमीटर बारिश होती है। कुल्लू जिला की स्थिति भी बहुत ही खराब हुई है। चारों ओर बादल फटे हैं। यह वैश्विकस्तर पर जलवायु परिवर्तन का परिणाम तो है ही किन्तु हिमालय में तापमान वृद्धि दर वैश्विक औसत से ज्यादा होने के कारण भी है। हिमालय की संवेदनशील परिस्थिति को देखते हुए लंबे समय से उसके लिए अलग विकास मॉडल की मांग होती रही है। क्योंकि मुख्य धारा का विकास मॉडल हिमालय क्षेत्र के अनुकूल नहीं है।

वर्तमान कार्यसमूह रोजगार को मुख्य बिंदु मान कर गठित किए गए हैं। पर्यावरण मित्र विकास के लिए विधि- निषेध का ध्यान रखा जाना बहुत जरूरी है। हिमालय में क्या नहीं होगा, यह उतना ही जरूरी है जितना कि यहां क्या होगा, यह जरूरी है। हिमालयवासियों और हिमालय की चिंता करने वाले सभी लोगों को इस परिषद का स्वागत करना चाहिए। परिषद को भी चाहिए कि इस क्षेत्र के अनुभवी लोगों और संगठनों- संस्थाओं को जोड़कर आगे बढ़ने की संस्कृति को अपना कर कार्य करें। विकास मॉडल से जुड़े मामलों में समुदायों को भी मुख्य दावेदार माना जाना चाहिए जबकि आम तौर पर प्रबन्धन से जुड़े विभागों, औद्योगिक और वाणिज्यिक दावेदारों को ही मुख्य भूमिका में देखा जाता है। केंद्र और राज्य सरकारें एवं हिमालयी राज्य परिषद इस दिशा में शीघ्र सक्रिय हों यही आशा और मांग है।

नीति आयोग ने हिमालयी राज्य क्षेत्रीय परिषद का गठन करके एक तरह से हिमालयवासियों की समस्याओं और संभावनाओं को मैदानी क्षेत्रों से अलग दृष्टिकोण से देखने की उम्मीद और मांग को मान्यता देने की पहल की है। इसका खुले दिल से स्वागत किया जाना चाहिए। 1992 में डॉ. एसजेड कासिम की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ दल का गठन किया गया था। इसकी संस्तुतियां भी हिमालयी राज्यों की पारिस्थिक अवस्था के आधार पर बनी थीं। मगर उनके सुझाव लागू नहीं हो सके। नीति आयोग ने 2017 में पांच कार्य समूह बनाए। इनकी रिपोर्ट अगस्त 2018 में आई। कुछ महीनों के भीतर ही हिमालयी क्षेत्रीय परिषद के गठन से माना जा सकता है कि सरकार इस दिशा में कुछ गंभीर है। वरिष्ठ वैज्ञानिक पृष्ठभूमि के डॉ. वीके सारस्वत इस परिषद के अध्यक्ष बनाए गए हैं। परिषद पांच कार्य समूहों की रपट के आधार पर कार्रवाई बिंदु तय करेगी। परिषद की भूमिका हिमालय के वैकल्पिक विकास मॉडल के सन्दर्भ में काफी महत्वपूर्ण रहने वाली होगी। उम्मीद करनी चाहिए कि परिषद को भूमिका निर्वहन के लिए पर्याप्त शक्तियां प्रदान की जाएंगी।

कार्य समूहों से निम्न मुद्दों पर विशेषज्ञ रिपोर्ट मांगी गई थी। एक- जल स्रोत जलागम के प्रबन्धन से जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना। दो : टिकाऊ पर्यटन की व्यवस्था खड़ी करना। तीन-झूम खेती के विकल्पों से पूर्वोतर राज्यों में कृषि की टिकाऊ व्यवस्था खड़ी करना। चार- हिमालयी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त कौशल विकास और उद्यमिता सशक्तिकरण। पांच-जानकारी आधारित निर्णय प्रक्रिया के लिए आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रह।यह परिषद आपदा प्रबन्धन, ऊर्जा, ढांचागत विकास, परिवहन, वन, जैव विविधता, शहरीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आदि प्रमुख क्षेत्रों के विषयों में भी आकलन प्रस्तुत करेगी। इसके आधार पर हिमालय क्षेत्रों में टिकाऊ विकास के लिए दिशा-निर्देश और रूपरेखा विकसित की जानी है।

हिमालय में टिकाऊ विकास के लिए खतरे या रुकावटों को यदि चिह्नित करने का प्रयास किया जाए तो स्पष्ट होगा कि पांच कार्य समूहों के अतिरिक्त ऊर्जा, ढांचागत विकास, सड़कें, परिवहन और पर्यावरण विनाशक उद्योग टिकाऊ विकास को दिग्भ्रमित करने वाले मुख्य कारक रहे हैं। इनको संज्ञान में तो लिया गया है किन्तु अच्छा होता यदि इनके लिए भी अलग अलग विशेष कार्य समूह बना कर विशेषज्ञ संस्तुतियां प्राप्त कर ली जातीं। हिमालय में अत्यधिक चौड़ी सड़कें अपने साथ भारी तबाही ले कर आती हैं। आवागमन की सुविधा में सुधार की खुशी उसके कारण होने वाली तबाही को भुला देती है। उसके खिलाफ कोई आवाज उठाएगा तो विकास विरोधी कहलाया जाएगा, इस डर से या अपने-अपने निहित स्वार्थों के चलते कोई कुछ नहीं बोलता। इसलिए सड़क निर्माण में पर्वतीय क्षेत्रों में क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए इस बात का कोई ख्याल तक नहीं करता। हिमालय में यदि सड़कें कट ऐंड फिल विधि से बनाई जाएं तो 30 फीसद तक खर्च में वृद्धि तो होगी किन्तु निर्माण कार्य के दौरान होने वाली तबाही से बड़ी हद तक बचा जा सकता है। सड़कों के विकल्प के रूप में कुछ जगहों पर रोप-वे या मोनो रेल जैसे विकल्पों पर भी सोचा जाना चाहिए।

इसी तरह ऊर्जा के क्षेत्र में हिमालय में जल विद्युत का दोहन जिस स्तर और तकनीक से किया जा रहा है उससे बनावटी झीलों के कारण होने वाले मीथेन उत्सर्जन के कारण स्थानीय स्तर पर वायुमंडल के तापमान में वृद्धि हो रही है। सुरंगों से जल स्रोत सूख रहे हैं। नदी घाटी स्तर पर पारिस्थितिकीय व जलवायु में बदलाव आ रहे हैं। पांच मेगावाट तक माइक्रो हाइडल का दर्जा देकर छोटे-छोटे नालों पर भी भारी तोड़फोड़ की जा रही है। कई जगह छोटी खड्डों और नालों पर बनने वाले इन माइक्रो हाइडल परियोजनाओं से लोगों के पानी के अधिकारों का हनन हो रहा है। इससे सिंचाई व पेयजल के लिए टकराव की स्थितियां पनप सकती हैं। जल विद्युत् दोहन के लिए एक मेगावाट से नीचे नीचे की परियोजनाओं को ही मान्यता मिलनी चाहिए। वोरटेक्स तकनीक और हाइड्रो काईनैटिक तकनीक को भी विकल्प के तौर पर परखा जाना चाहिए, जिनमें पनचक्की जितने प्रपात पर या उससे भी छोटे प्रपात पर बिजली बनाई जा सकती है। हाइड्रो काईनैटिक तकनीक में तो बहते हुए पानी में तैरते प्लैटफार्म से टरबाइन जोड़ कर ही बिजली बनाई जा सकती है। इस तकनीक का प्रयोग समुद्र की लहरों से भी बिजली बनाने के लिए किया जा सकता है। सौर उर्जा पर भी विशेष काम करने की जरूरत है।

पर्वतीय प्रदेशों की सरकारें आर्थिक संसाधनों के दबाव के चलते कई बार अवांछित या पर्यावरण के विनाशक तरीकों से भी आय की आशा में फैसले कर लेती हैं। इन पर अंकुश वैकल्पिक व्यवस्थाओं को प्रोत्साहन दे कर ही लग सकता है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि हिमालयी राज्य क्षेत्रीय परिषद ऐसे जरूरी मुद्दों पर विशेषज्ञ कार्य समूह बना कर मुख्यधारा की विकास अवधारणाओं से हट कर हिमालय के लिए उपुक्त तकनीकों का प्रचालन करवाने में मुख्य भूमिका निभाएगी।

वर्तमान कार्यसमूह रोजगार को मुख्य बिंदु मान कर गठित किए गए हैं। पर्यावरण मित्र विकास के लिए विधि- निषेध का ध्यान रखा जाना बहुत जरूरी है। हिमालय में क्या नहीं होगा, यह उतना ही जरूरी है जितना कि यहां क्या होगा, यह जरूरी है। हिमालयवासियों और हिमालय की चिंता करने वाले सभी लोगों को इस परिषद का स्वागत करना चाहिए। परिषद को भी चाहिए कि इस क्षेत्र के अनुभवी लोगों और संगठनों- संस्थाओं को जोड़कर आगे बढ़ने की संस्कृति को अपना कर कार्य करें। विकास मॉडल से जुड़े मामलों में समुदायों को भी मुख्य दावेदार माना जाना चाहिए जबकि आम तौर पर प्रबन्धन से जुड़े विभागों, औद्योगिक और वाणिज्यिक दावेदारों को ही मुख्य भूमिका में देखा जाता है। केंद्र और राज्य सरकारें एवं हिमालयी राज्य परिषद इस दिशा में शीघ्र सक्रिय हों यही आशा और मांग है।

विचार मंथन

आईएस का खतरा

सिद्धार्थ शंकर

रूसी सुरक्षा एजेंसी ने आतंकी संगठन आईएस (इस्लामिक संगठन) के एक आत्मघाती हमलावर को पकड़ा है। वह भारत में आत्मघाती हमले की फिराक में था। एफएसबी के अधिकारियों ने बताया कि यह फिदायीन मध्य एशिया के एक देश का मूल निवासी है। पूछताछ में इस आतंकी ने कबूला है कि उसने भारत के एक शीर्ष नेता को निशाना बनाने की साजिश रची थी। उसने यह भी बताया कि आईएस भारत में हमले की साजिश रच रहा है। वह अप्रैल से जून तक तुर्की में था और उसने वहां आतंकवाद की ट्रेनिंग ली थी। उसे पहले रूस भेजा गया और वहां से भारत भेजने की तैयारी थी। रूसी सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि इस आतंकी ने भारत के सत्तारूढ़ दल (भाजपा) के एक नेता की हत्या के लिए खुद को विस्फोटक से उड़ाने की योजना बनाई थी। उसे आईएस के एक शीर्ष नेता ने सुसाइड बॉमर के रूप में तुर्की में अपने संगठन में भर्ती किया था। हाल ही में भारत की खुफिया एजेंसियों ने कहा था कि पाकिस्तीनी खुफिया एजेंसी ने चंडीगढ़ और मोहाली में आतंकी हमले की साजिश रची है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी आतंकी संगठन टीआरएफ द्वारा आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। इस्लामिक स्टेट और उसके समर्थक सभी संगठनों व सहयोगियों को केंद्र सरकार ने भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। आईएस को गैर कानूनी गतिविधि निवारक कानून की धारा 1967 की प्रथम अनसूची के तहत प्रतिबंधित किया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार आईएस इंटरनेट आधारित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के जरिए अपनी विचारधारा का प्रचार प्रसार कर रहा है। इसलिए सुरक्षा एजेंसियां इन पर लगातार नजर रख रही है। आईएसआईएस प्रेरित आतंकी संगठन भारत के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं। कट्टरपंथ की आग सुलगाकर अलकायदा और आईएस गठजोड़ से भारत के अलग-अलग हिस्सों में आतंकी हमलों की योजना बनाई गई है। एजेंसियों का मानना है कि अब तक जितने भी मामले पकड़ में आए हैं उनमें एक बात साझा है कि सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथ का जहर फैलाकर युवाओं को अलकायदा और आईएस प्रेरित संगठनों से जोड़ा जा रहा है। अलकायदा और आईएस नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है। पश्चिम बंगाल, केरल और कश्मीर में इनके सबसे ज्यादा स्लीपर सेल हैं। यूपी, बिहार और हरियाणा में भी इनके नेटवर्क की सूचना एजेंसियों के पास है। आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार, यूपी, मध्यप्रदेश, जम्मू कश्मीर के अलावा हरियाणा के मेवात इलाके में स्लीपर सेल मौजूद हैं। कहीं पर अलकायदा है तो कहीं आईएस प्रेरित आतंकी संगठन की मौजूदगी है। एजेंसियों के मुताबिक इनकी जड़ में उग्र कट्टरपंथ है। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र ने दो महीने पहले एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें आगाह किया गया था कि केरल और कर्नाटक में बड़ी संख्या में आईएस आतंकी हो सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) आतंकवादी संगठन हमले की साजिश रच रहा है। एक्यूआईएस का मौजूदा सरगना ओसामा महमूद है, जिसने मारे गए आसिम उमर की जगह ली है। वह उमर की मौत का बदला लेने के लिए क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई की साजिश रच रहा है। रिपोर्ट में बताया गया था कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा के 180 से 200 आतंकी हैं। ये भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार से हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा आईएस का सहयोगी है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि पड़ोसी देशों बांग्लादेश और मालदीव में खूंखार आतंकी संगठन आईएसआईएस की बढ़ती पकड़ ने देश में इसके प्रभाव को और ज्यादा विस्तार दिया है। यह आतंकी संगठन भारत के चारों तरफ स्थित छोटे-छोटे देशों में अपने पैर जमा रहा है। बांग्लादेश और मालदीव दोनों ही भारत के करीबी पड़ोसी देश हैं और इन देशों में आईएस के बढ़ रहे असर ने भारत की चिंता बढ़ाई है। यही नहीं, इन देशों के कई युवा आईएसआईएस में शामिल होने के लिए देश छोड़ चुके हैं।

अमृत काल

स्वर्ण काल की यात्रा का रोडमैप

डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किला देश के अनेक प्रधानमंत्रियों के संबोधन का साक्षी रहा है।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का संबोधन देश के नाम संदेश तो होता ही है, लेकिन महत्त्वपूर्ण रूप से उसमें उभरते-बनते-संवरते भारत-निर्माण की एक छवि भी दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसे अवसरों को राष्ट्र-निर्माण के लक्ष्यों को पाने के लिए प्रेरित करने के दिवस के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि यह पहला ऐसा अवसर है, जिसमें किसी प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में किसी नई योजना की घोषणा न करते हुए अतीत की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए भविष्य के भारत-निर्माण का खाका खींचा है। उनके संबोधन का मर्म समझना इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि उसमें राष्ट्र-जीवन के प्रत्येक सहभागियों के लिए कुछ-न-कुछ लक्ष्य-मिश्रित संदेश अवश्य समाहित हैं।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने नागरिकों से पांच प्रणलेकर उन्हें समयबद्ध रूप में पूर्ण करने का आह्वान किया। उन्होंने अगले पच्चीस वर्ष हेतु इन पांच प्रणों के माध्यम से अपनी एक संकल्पित रूपरेखा प्रस्तुत की। ये पांच प्रणमूलत- प्रधानमंत्री द्वारा कल्पित सौ वर्ष के स्वर्णकालिक भारत की एक तस्वीर प्रस्तुत करने के साथ वर्तमान भारत की चुनौतियों के खिलाफ बिगुल बजाते हुए जनमत-निर्माण का संकल्प भी प्रतीत होते हैं। अगले पच्चीस वर्षों में इन प्रणको साकार करने में यदि हम समर्थ हुए तो आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होने की दहलीज पर जब हम खड़े होंगे, तब हमारे सामने वह स्वर्णिम भारत होगा जहां न भाई-भतीजावाद होगा और न उससे उपजा भ्रष्टाचार होगा, जहां महिलाओं का सम्मान होगा और गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर समाज के अंतिम व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल होगा। इसलिए प्रधानमंत्री ने अगले पच्चीस वर्ष के लिए जो देश का लक्ष्य तय किया है, वह मूलत- अमृतकाल से स्वर्णकाल की यात्रा का रोडमैप है। प्रधानमंत्री ने 'अपनी विरासत पर गर्व करने' के जिस तीसरे प्रणकी चर्चा की वह कई मायनों में भारतीयता के जागरण बोध से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण प्रणहै। यह न केवल भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की जरूरत को रेखांकित करता है बल्कि भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रासंगिकता को भी मुखर रूप में अभिव्यक्त करता है।

सभ्यता की उत्पत्ति का प्रश्न हो या आयुर्वेद, शल्य चिकित्सा और रसायन क्षेत्र उपलब्धियों की चर्चा हो; गणित क्षेत्र के आविष्कारों की बात हो अथवा संपूर्ण विश्व को वसुधैव-कुटुंबकम का मूल मंत्र देते हुए अपने अमूल्य ज्ञान-ग्रंथों से आलोकित करने का संदर्भ हो; भारत ज्ञान-विज्ञान के अध्ययन एवं शोध के सभी क्षेत्रों में विश्व की अग्रणी सभ्यता रहा है। परंतु मूल संकट तो यह है कि आज हमें अपनी विरासत की सही जानकारी ही नहीं है या जो भी जानकारी है वह तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत की गई है। ऐसे में मूल विरासत की सही जानकारी का अभाव हमारे भारतबोध में एक बड़ी बाधा बनता है।

प्रधानमंत्री का यह कहना कि हम अपनी जमीन से जुड़ें, वस्तुत-अपनी संस्कृति और अपने नायकों को जानने तथा उनको उचित स्थान देने की ही एक कोशिश है। जमीन से जुड़कर ही हमें अपनी निजी उपलब्धियों का ज्ञान होगा और अपने विपुल संचित ज्ञान-कोश के आधार पर ही हम विश्व का पुन- नेतृत्व करने में सक्षम बन सकेंगे। इसलिए भारत की उस विरासत को जानना हम भारतीयों के लिए अपरिहार्य है, जिसने प्राचीनकाल में इसे 'सोने की चिड़िया' कहलाने का गौरव दिलाया था। आजादी की लंबी-पीड़ादायक लड़ाई लड़ने वाले गुमनाम, लेकिन वास्तविक सेनानियों के साथ हमें उन महापुरुषों को भी याद रखना होगा जिनके प्रयत्नों से ही कभी भारत का स्वर्णकाल साकार हुआ था। इसी कारण प्रधानमंत्री अपने संबोधन में वीर सावरकर, दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, नानाजी देशमुख समेत भारतीय इतिहास के अनेक महत्त्वपूर्ण सेनानियों को याद करते हुए आधुनिक भारत के निर्माण का प्रणदोहराते हैं।

भारतीय विरासत का एक उत्कृष्ट पन्ना यह भी है कि हमने कभी हार नहीं मानी है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता का इतिहास बहुत पुरातन है। यह पचहत्तर वर्ष की यात्रा भी उसी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इतिहास की गौरवशाली यात्रा में हमने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। कई बार ऐसे मोड़ भी आए जब हमें अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन इतिहास और परंपरा के हर काल में भारत ने अपने ऊपर मंडराती गहरी काली छायाओं से न केवल निर्णायक लड़ाई लड़ी बल्कि अपनी सर्व-समावेशी सर्वश्रेष्ठता भी स्थापित की। भारत की मिट्टी की असाधारण सामर्थ्य ने हमारी विविधता को प्राण वायु बनाया और हर क्षण 'भारत प्रथम' की भावना को जीवित रखा।

हर भाषा के सम्मान का प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर है, लेकिन यह रोडमैप केवल देश की सरकार या सरकारी संस्थाओं के भरोसे पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक कि उसमें जनभागीदारी न सुनिश्चित हो। आजादी के वास्तविक मानी तक पहुंचने के दिशा में प्रधानमंत्री की इस सार्थक कर्तव्य-बोध पहल के बाद अब हम सजग नागरिकों के अपने-अपने महत्त्वपूर्ण नागरिक-कर्तव्यों के निर्वहन की जिम्मेदारी बनती है। ऐसा करके ही हम आजादी के अमृतकाल और स्वर्णकाल को सार्थक रूप दे पाएंगे।

राजकीय महाविद्यालय कठूमर में छात्रसंघ के मतदान को लेकर प्रत्याशियों को दिए निर्देश

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। राजकीय महाविद्यालय कठूमर में छात्र संघ चुनाव को लेकर बुधवार को सभी प्रत्याशियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.रामनाथ खोरवाल ने बताया कि सभी प्रत्याशियों को लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के आधार पर शांतिपूर्ण तरीके से पूर्ण अनुशासन के साथ आचार संहिता का पालन करते हुए मतदान करें। पुलिस प्रशासन की तरफ की ओर से थानाधिकारी सुरेश कुमार तथा प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार मोहम्मद हनीफ खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। निर्वाचन समिति के डॉक्टर के के शर्मा छात्र संघ चुनाव के संविधान के बारे में जानकारी दी। डॉ रश्मि गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। राजकीय महाविद्यालय कठूमर के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सुभाष चंद पालीवाल ने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर मतदान करने हेतु निर्देश दिए ।कार्यक्रम का संचालन डॉ.अशोक मीणा ने किया। इसके पश्चात 1:00 बजे सभी प्रत्याशियों के द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित किया गया जिसमें प्रत्याशियों ने अपना चुनावी एजेंडा प्रस्तुत किया।

तिजारा वकीलों ने एसडीएम पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप मुख्यमंत्री के नाम मोची को दिया ज्ञापन

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा 24 अगस्त तिजारा के वकीलों ने तिजारा उपखंड अधिकारी पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप न्यायालय परिसर के बाहर एक इमानदार नागरिक मोचीको राज्य के मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन जांच की की मांग तिजारा के अधिवक्ता पुरुषोत्तम सैनी जेपी सोनी इंद्रपाल गुर्जर आशीष यादव आलोक योगेश सिंह सुनील यादव मुकेश सैनी दीपक प्रेम प्रकाश नैना राजस्थान वीरेंद्र सैनी मनोज वर्मा पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष के नेतृत्व में तिजारा उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए राज्य के मुख्यमंत्री के नाम एक इमानदार नागरिक मोचीको ज्ञापन सौंपा गया है अधिवक्ता पुरुषोत्तम सैनी एडवोकेट एवं जेपी सोनी एडवोकेट ने बताया कि तिजारा तहसील कार्यालय में भारी भ्रष्टाचार पनप रहा है यहां कोई भी काम बिना लिए दिए अधिकारी नहीं करते हैं अभी गत दिनों एक सी लालपुर गांव की पीड़िता वीरू भाई का एक प्रकरण तिजारा उपखंड अधिकारी न्यायालय में चल रहा था जिसकी जमीन की डिग्री करने के एवज में साडे ?400000 की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है उन्होंने बताया कि अभी विगत दिनों राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तिजारा आगमन पर भी तिजारा के वकीलों ने उपखंड अधिकारी कि भ्रष्टाचार की शिकायत भी की थी लेकिन अभी तक इस भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है तिजारा के वकीलों ने चेतावनी दी है कि अगर 30 अगस्त तक उपखंड अधिकारी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई तो यहां तहसील के सामने प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया जाएगा उन्होंने तिजारा विधायक संदीप यादव पर भी अधिकारियों से सांठगांठ एवं उनकी छत्रछाया में रहने का भी आरोप लगाया है।

मंथन के दिव्यांग बच्चों ने किया एशिया प्राइड अवॉर्डी जादूगर शिवकुमार का स्वागत

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। मंथन स्पेशल स्कूल एवं मंथन दिव्यांग रिहैबिलिटेशन सेंटर के दिव्यांग बच्चों द्वारा देश के समस्त कोनों समेत और अमेरिका, इंग्लैंड,जापान,हॉगकॉग, सिंगापुर, थाईलैंड, कनाड़ा, ऑस्ट्रेलिया में अपने जादू का कारनामा दिखा कर मंत्र मुग्ध करने वाले मशहूर जादूगर शिवकुमार का साफा एवं अंगवस्त्र पहना कर जोरदार स्वागत किया गया। जादूगर शिवकुमार आंखों पर काली पट्टी बांधकर मोटरसाइकिल चलाते हुए रोड शो पर निकले थे। जिसे देख कर सभी लोग आश्चर्यचकित थे। गौरतलब है कि जादूगर शिव कुमार जादू के साथ साथ अन्य सामाजिक कुरुतियों एवं जागरूकता अभियान जैसे कन्या भ्रूण हत्या, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता आदि पर भी अपने जादू के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हैं। जादूगर शिवकुमार का इन दिव्यांग बच्चों के साथ भी विशेष प्रेम है। सम्मान के इस कार्यक्रम में डॉ0 सविता गोस्वामी, डॉ0 पीयूष गोस्वामी, कर्मवीर यादव, आकाश कुमार, शालिनी शर्मा, अंकित सैन सहित दिव्यांग बच्चे और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रशिक्षण शिविर तीन दिन का उदयपुर में आयोजित किया गया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रशिक्षण शिविर 21 से 23 तक उदयपुर में आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानथी अक्का रही। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में पहले दिन प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतिष जी पुनिया ने उद्घाटन किया और समापन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानथी अक्का ने किया सत्र में 2023 में प्रदेश में कमल खिलाने मे महिलाओं की भूमिका निभाए प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश अध्यक्ष डॉ अल्का जी मुंदड़ा ने 44 जिलाध्यक्ष को प्रशिक्षण में बुलाया बांसवाड़ा से शीतल भंडारी ने भाग लिया।इस दौरान बांसवाड़ा प्रभारी दीनेश जी भट्ट और बांसवाड़ा डूंगरपुर लोकसभा सांसद कनकमल जी कटारा तीनों दिन महिला प्रशिक्षण वर्ग का मार्गदर्शन करते रहे। ये जानकारी शीतल भंडारी ने दी।

छींड़ , बानसूर से चोरी हुई 9 भैंस पुलिस ने बरामद की

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के हरसोरा थाना पुलिस ने 8 अगस्त की रात्री को दामोदर का बास छींड से चोरी हुई 9 भैंसो को चांदोली के जोहड़ से जब्त किया है। वहीं पुलिस के पहुंचने से पहले ही चोर फरार हो गए। बानसूर डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि 10 अगस्त को दामोदर का बास छींड निवासी फतेह सिंह और कालू राम ने हरसोरा थाने में मामला दर्ज कराया था कि 8 अगस्त की रात्रि को चोर हमारी 9 भैंसों को चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर सूचना तंत्र को सक्रिय कर चोरों की तलाश में जुट गई। वहीं पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध लोग भैंसों के साथ चांदोली के पहले जोहड़ के पास है। सूचना पर पुलिस जाब्ते के साथ वहां पहुंची । पुलिस के पहुंचने से पहले ही चोर भैंसों को छोड़कर वहां से फरार हो गए। वहीं पुलिस ने सभी भैंसो को जब्त कर लिया और फतेह सिंह और कालूराम को बुलाकर पहचान कराई गई और भैंसों को उनके सुपुर्द कर दिया । जिसको लेकर दामोदर का बास के ग्रामीणों ने बानसूर डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा और हरसौरा थाना प्रभारी तारा चन्द शर्मा व पुलिस टीम का भैंसों को जब्त करने पर साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

प्रबुद्ध सम्मेलन में केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। देश के प्रबुद्धजनों की राष्ट्रीय मान बिंदुओं पर सक्रिय सहभागिता से हम विश्व के समृद्ध व शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़े हो सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे की ओर बढ़ रहा है। यह बात भाजपा की ओर से कुशलगढ़ के टाऊन हॉल में आयोजित प्रबुद्ध जन सम्मेलन की बैठक में भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने मुख्य वक्ता के रूप में कही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ने देश का कायाकल्प कर दिया। वहीं सीमाओं की रक्षा व विश्वस्तरीय मुद्दों पर सक्रियता से देश का गौरव व स्वाभिमान बढ़ा है। मंच पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री (संगठन) चंद्रशेखर जी के अलवा डूंगरपुर बांसवाड़ा के सांसद कनक मल कटारा, पूर्व सांसद धन सिंह रावत,पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई डामोर, पूर्व चौरासी विधायक सुशील कटारा, भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष गोविंदसिंह राव,दिनेश भट्ट भाजपा उपाध्यक्ष हेमराज मीणा कांतिलाल, परमेश्वर जी मधुसूदन व्यास,नपा अध्यक्ष बबलू मईडा, नपा उपाध्यक्ष नितेश बैरागी,राकेश वडखिया,बड़ोदिया भाजपा के लाल सिंह युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीप सिंह वसुनिया पूर्वा नपा अध्यक्ष ललिता सोनी,पूर्व नपा उपाध्यक्ष लीला

पडियारमोदी @ 20 सह संयोजक सीए प्रतीक महेता नगर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द्र सेठिया पंचायत समिति प्रधान कानहिंग रावत, उपप्रधान प्रताप लबाना आदि बिराजित थे। इस दौरान

भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेश के महामंत्री (संगठन) चंद्रशेखरजी का उपपुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष दीप सिंह वसुनिया व अध्यक्ष पितेश पंड्या के नेतृत्व में स्वागत किया गया। और वहां से सीधे टाउन हॉल में मोदी के 20 वर्षों के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में विजेनरी ओर क्रांतिकारी के संकलन के बारे में प्रबुद्ध सम्मेलन नपा के टाऊन हॉल में आयोजित किया गया। नपा की ओर से सभी पार्षद दल द्वारा संगठन मंत्री को मोमेंटो भेट किया गया। उसके पश्चात नागनाथ महादेव मंदिर कुशलगढ़ में पौधारोपण किया। इस अवसर पर भाजपा पार्टी के महामंत्री दिलीप टेलर रामकिशन मकवाना,राहुल पंड्या, रोनक टेलर पार्षद नरेश गादिया महेंद्र शाह राहुल सोनी संजय चौहान,महावीर कोठारी,भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष नम्रता जैन सहित ग्रामीण क्षेत्रों से भी कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कठूमर ग्राम सेवा सहकारी समिति के संचालक मंडल का चुनाव गठित वार्डो के अनुसार 14 सितंबर को होगा मतदान

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। दी बाबा ग्राम सेवा सहकारी समिति के संचालक मण्डल का चुनाव इस बार गठित वार्डों के अनुसार 14 सितम्बर को मतदान होगा। राजेन्द्र पाराशर ने बताया कि कठूमर समिति में कुल 12 वार्ड होंगे जिनमें से 1 वार्ड अनुसूचित जाति वर्ग, 1 वार्ड अनुसूचित जनजाति वर्ग एवं 2 वार्ड महिला वर्ग सदस्यों के लिए आरक्षित होंगे तथा शेष 7 वार्ड सामान्य ऋणी सदस्यों के हैं। 1 अन्य वार्ड अऋणी सदस्यों का होगा। जिसमें अऋणी सदस्यों का प्रतिनिधि संचालक सदस्य निर्वाचित होगा जो समिति अध्यक्ष नहीं बन सकेगा। समिति के पंजीकृत उपनियम अनुसार उक्त 12 निर्वाचित संचालक सदस्य मिलकर समिति के पदाधिकारियों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का निर्वाचन करेंगे। उक्त निर्वाचित संचालक मण्डल का कार्यकाल 5 वर्षों का होगा। उन्होंने निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में 26 अगस्त को चरणवार निर्वाचन कार्यक्रम सूचना एवं प्रस्तावित मतदाता वार्डवार सूचियाँ मय आरक्षणवार चस्पा की जाकर 31 अगस्त को मध्यान्ह 1 बजे तक आक्षेप व आपत्तियाँ मांगी गई हैं, जिस पर उसी दिन सुनवाई की जाकर अन्तिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर चस्पा किया जायेगा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार 6 सितम्बर को प्रातः 9 बजे से प्रातः 11 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किये जायेंगे जिसकी जांच व नाम वापसी उसी दिन की जाकर निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों का सूची को वार्डवार प्रकाशन कर चस्पा किया जायेगा एवं उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन भी किया जायेगा। और 14 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक वार्डवार मतदान करवाया जायेगा तथा 15 सितम्बर को प्रथम चरण की मतगणना सम्पन्न की जायेगी। मतगणना के पश्चात् परिणामों की घोषणा की जाकर।16 सितम्बर को पदाधिकारियों (अध्यक्ष व उपाध्यक्ष) का निर्वाचन होगा।

सोडावास अजरका मार्ग भानोत जोगावाड़ गांव के बाहर से सर्वे के अनुरूप सड़क बनाने की ग्रामीणों ने मांग की

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

मुंडावर। सोडावास से अजरका सड़क मार्ग का निर्माण का कार्य सावर्जनिक निर्माण विभाग के तहत चल रहा है । जिसको लेकर भानोत, जोगावाड गांव के ग्रामीणों ने सांसद व विधायक को बुधवार को ज्ञापन देकर अवगत करवाया की यह सड़क मार्ग 1973 के अनुरूप ही बनाई जाए । ज्ञापन में ग्रमीणो ने बताया की बाईपास सड़क के लिए काश्तकारों को भूमि का मुआवजा मिल चुका है । उसके अनुरूप ही सड़क मार्ग बनाया जाए । उल्लेखनीय है कि 1973 में सावर्जनिक निर्माण विभाग द्वारा इस बाईपास सड़क मार्ग के तहत सभी काश्तकारों को मुआवजा मिल चुका । मगर हठधर्मिता व बेईमानी के चलते लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है । जबकि सभी काश्तकारों ने इस सड़क के बाईपास का मुआवजा ले चुके हैं । बेईमानी व जबर्दस्ती के चलते अतिक्रमण कर रखा है । ज्ञात रहे कि सोडावास से अजरका सड़क का पुनः निर्माण कार्य शुरू हो गया है । जिसको लेकर बुधवार को ग्रामीणों सांसद बालक नाथ व विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी को ज्ञापन देकर अवगत करवाया की 1973 के अनुरूप ही सड़क मार्ग बाईपास निकाला जाए । सांसद व विधायक ने भी ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बाईपास सड़क मार्ग 1973 के अनुसार ही बनाया जाएगा । ग्रमीणो ने सांसद व विधायक का माला, साफा पहनाकर स्वागत किया । सामाजिक कार्यकर्ता गुड्डू नरेश कौशिक , धर्मवीर लम्बदार, फ़तेह सिह,ग्यानी लम्बदार,, गिर्राज गुप्ता, बाबु गुप्ता, सतीश पहलवान, पुर्ण भारद्वाज, राजेश कौशिक, ने सांसद व विधायक से मांग की कि आप विकास पुरुष होने के नाते विकास का कार्य निस्वार्थ भावना से करवाएं ताकि जनता को लाभ मिल सके ।

कठूमर आंगनबाड़ी संघ ने मानदेय नहीं मिलने व अन्य मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका प्रकोष्ठ शाखा कठूमर द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विभागीय मंत्री के नाम बुधवार को एसडीएम लाखन सिंह गुर्जर को ज्ञापन सौंपा।

संघ की तहसील अध्यक्ष सीमा चौधरी ने बताया कि सीडीपीओ कार्यालय कठूमर में हमें पिछले 4 माह से मानदेय अधूरा दिया जा रहा है। जो भी करीब 5 माह में दिया है। जिससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है । और कार्यकर्ताओं के कार्य लंबित पड़े हुए हैं।जिसमे मानदेय बिल 5 माह से लंबित है। कोरोना काल में अन्य प्रशांत व गोद भराई का पैसा आया था जिसको सीडीपीओ कार्यालय द्वारा लेफ्स कर दिया गया।, कार्यकर्ता सहायिकाओं की ड्रेस का पैसा आया था वह भी लेफ्स कर दिया गया।, मोबाइल रिचार्ज के पैसे को 8 से 10 माह हो गए यह भी लंबित चल रहे हैं।, गरम पोषाहार के बिलों को करीब 2 साल हो गए हैं। आज दिनांक तक लंबित है।,सीडीपीओ कार्यालय कठूमर द्वारा लापरवाही ज्यादा हो रही है । आंगनबाड़ी केंद्र भवन का किराया भुगतान 2018 से लंबित है। कोरोना काल में पोषाहार ट्रैकर पर किए गए कार्य का भुगतान आज तक नहीं हुआ है तथा अगस्त 22 से शुरू किए गए गरम पोषाहार को तैयार करने हेतु कार्यकर्ता के पास रसोई के बर्तन उपलब्ध नहीं है। तथा गरम भोजन तैयार करने का जो पैसा दिया जाता है। वह बहुत कम है। इससे गरम भोजन देना असंभव है। और उपरोक्त हमारी इन समस्याओं का समाधान तुरंत किया जावे अन्यथा कार्यकर्ता कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी करेंगी।

इस मौके पर कठूमर तहसील अध्यक्ष सीमा देवी, मीना बाई,पिस्ता देवी, अंजना कमला,जगबीरी,सुभद्रा, शीशवाला, लज्जा देवी, गुड्डी, पुष्पा कुमारी, मौसमी ,गीता ,गजना देवी, ममता, मंजू लता ,भगवती शर्मा ,ललिता ,मिथिलेश जाटव ,कुसुमलता, बसंती कुमारी ,सरोज ,रामसखी नरूका ,गुड्डी देवी, राजकुमारी ,सीमा कुमारी आदि उपस्थित रही।

विश्व के जाने-माने जादूगरों में शुमार के राठ क्षेत्र के जादूगर शिवकुमार ने बहरोड़ में मैजिक रोड शो के माध्यम से यातायात नियमों के प्रति लोगों को किया जागरूक

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। विश्व के जाने-माने जादूगरों में शुमार के राठ क्षेत्र के जादूगर शिवकुमार ने अपने मैजिक शो के माध्यम से अलवर ही नहीं बल्कि अपने प्रदेश के साथ साथ पूरे देश का नाम रोशन किया है। जादूगर शिवकुमार के निजी मीडिया प्रभारी संजय बागड़ी ने बताया की बहरोड़ कस्बे में जादूगर शिवकुमार के मैजिक शो का आगाज 25 अगस्त 2022 गुरुवार को विक्रम टॉकीज में होने जा रहा है जिसको लेकर मंगलवार को होटल हाईवे एक्सप्रेस में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन भी किया गया जिसमें भारी संख्या में पहुंच पत्रकारों ने भाग लिया वहीं आज बुधवार को बहरोड़ शहर में एक विशाल रोड शो का आयोजन किया गया। इस रोड शो के दौरान जादूगर शिव कुमार ने अपनी आंखों पर लोहे की प्लेट बांधकर शहर की गली गली में मोटरसाइकिल चलाकर भ्रमण किया वहीं उनके पीछे पीछे मोटरसाइकिलो का आधा किलोमीटर लंबा काफिला भी चलता हुआ नजर आया। इससे पूर्व रोड शो को बहरोड़ नगर पालिका चेयरमैन सीताराम यादव ने हरी झंडी दिखाकर स्टेडियम गेट से रवाना किया जो पूरे शहर में भ्रमण उपरांत वापस स्टेडियम पर ही आकर पूर्ण हुआ। इस दौरान शिवा मेजिकों कम्पनी के मैनेजर महेंद्र शर्मा ने स्टेडियम पहुंचे जनप्रतिनिधि व जन समुदाय का स्वागत किया। इस भव्य रोड शो के दौरान आगे आगे अनाउंसमेंट की गाड़ी उसके पीछे डीजे तथा डीजे के पीछे जादूगर शिवकुमार सहित सैकड़ों की संख्या में मोटरसाइकिले जिन पर बाइक चालक के पीछे बैठे लोगों ने जनजागरुकता के स्लोगन लिखी पट्टियां भी थम रखी थी जिसके माध्यम से आमजन को जागरुकता का संदेश दिया गया। जिसमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, यातायात के नियमों का पालन करो, वृक्षारोपण करो, आंख खोल कर सड़क व चौराहे पार करो,दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। इस दौरान जादूगर शिव कुमार का दी आर्टिस्ट मानव सेवा समिति बहरोड़ तथा बहरोड़ में संचालित शरबती देवी दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र द्वारा भव्य स्वागत सहित पूरे रोड शो में महत्वपूर्ण योगदान रहा। रोड शो के दौरान हाईवे चौक पुल,नया बस स्टैंड, गंदा नाला, राजस्थान मार्बल, पुराना बस स्टैंड, नारनौल रोड,प्रिंट सिटी,थाने के सामने,अस्पताल रोड, तहसील रोड,अटेली रोड, विक्रम टॉकीज रोड,हनुमान चौक, अलवर रोड,इंद्रा कॉलोनी सहित अनेक जगहों पर फूल मालाओं द्वारा अनेक समाजसेवी व गणमान्य लोगों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। रोड शो के दौरान बहरोड़ कस्बे में संचालित दी आर्टिस्ट मानव सेवा समिति,शरबती देवी दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र के सदस्यों के साथ साथ मीडिया कर्मी व शिवा मेजिको की टीम के सदस्य मौजूद रहे।

कठूमर विधानसभा क्षेत्र के तीन बालिका उच्च प्राथमिक विधालयों को किया उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत

मरूधर विशेष

कठूमर ।दिनेश लेखी। विधायक बाबूलाल बैरवा की अभिशंषा पर राज्य सरकार ने कठूमर विधानसभा क्षेत्र में 3 राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालयों को सीधे ही राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किया है । विधायक ने बताया कि राज्य सरकार के बजट घोषणा वर्ष 22-23 के अनुसार राजस्थान प्रदेश में 335 राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत किया गया है। जिसमें कठूमर विधानसभा क्षेत्र के तीन विधालय जो राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय सौंखर को उच्च माध्यमिक , राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय इमलाडी को उच्च माध्यमिक , राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय खेडली की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोनत किया है। जिससे बालिका विद्यालय को कमोन्नत करने के बाद निश्चित तौर पर बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। विद्यालय क्रमोनयन सत्र 22 23 से प्रारंभ होंगे और स्वीकृति के बर्ष सुविधानुसार कक्षा 9 में 10 इस सत्र में एवं आगामी सत्रों में कक्षा 11व 12 में प्रारंभ की जा सकेगी।

बानसूर के चार विद्यालय उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत हुए

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

उद्योग व देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत की अभिशंषा पर बानसूर क्षेत्र की चार बालिका स्कूलों को उच्च प्राथमिक विद्यालय से उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किया गया । राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय से उच्च माध्यमिक विद्यालय में इन चार स्कूलों को क्रमोन्नत किया गया है।

1. राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल चतरपुरा
2. राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल निमूचाना
3. राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल हाजीपुर
4. राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल हमीरपुर

इन चारों बालिका स्कूल को उच्च माध्यमिक स्कूल में क्रमोन्नत किया गया है। वह चारों बालिका विद्यालयों को उच्च माध्यमिक विद्यालयों में क्रमोन्नत करने पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला और उद्योग व देवस्थान मंत्री बानसूर विधायक शकुंतला रावत का आभार जताया । वहीं विद्यालयों के क्रमोन्नत होने पर खुशी जाहिर की ।

ज्योतिषाचार्य वी के ज्योतिषी ने जादूगर शिव कुमार को श्रीमद्भागवत गीता भेंट की

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बहरोड़ - अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेना जिला उपाध्यक्ष अलवर ज्योतिषाचार्य पंडित वी के ज्योतिषी द्वारा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर शिव कुमार को श्रीमद्भागवत गीता भेंट की ।आज बहरोड़ में ख्याति प्राप्त जादूगर शिव कुमार का आंखों पर पट्टी बांध कर रोड़ शो किया। इस रोड़ शो के बाद ज्योतिषाचार्य वी के ज्योतिषी ने जादूगर शिव कुमार को श्रीमद्भागवत गीता भेंट की। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिन्दू सेना प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, संजय चौधरी,जे पी गुर्जर, अनिल सैन, सोनू सैनी आदि सदस्य मौजूद रहे।

57 साल की उम्र में रेस में 14 हजार मीटर कि उचाई को पूरा किया

भारत की पहली साइकिलिस्ट रेनू सिंह ने समय से पहले पूरा किया 1500 किमी की दूरी

मरूधर विशेष (पुष्पेंद्र कुमार शर्मा)

जयपुर। लंदन में आयोजित एलईएल (लंदन -एडिनबर्ग-लंदन -2022) में 1500 किमी कि दूरी को 124 घण्टे 32 मिनिट में पूरा करने का प्रेरणात्माक कारनामा करने वाली भारत की एकमात्र साइकिलिस्ट रेनू सिंघी को सम्मानित किया गया। शहर के सबसे पूराने साइकिलिंग क्लब, टाइगर्स राइडर्स ग्रुप ने रेनू की सफलता का स्वागत किया। जहां टाइगर राइडर्स ग्रुप के संरक्षक विष्णु टाक ने रेनू सिंघी को मोमेंटो देते हुए सम्मान किया गया। समय से पूर्व राइड पूरी करने वाली रेनू सिंघी ने कहा कि भाग दौड़ भरी जिंदगी में हमें अपने स्वास्थ का ध्यान रखते हुए साइकिलिंग का समय निकालना चाहिए। साथ ही अपने घरों में बच्चों और बड़ों को साइकिलिंग से जोड़े रखना चाहिए। इस दौरान विष्णु टाक ने कहा कि जयपुर की यंग जनरेशन को इनसे प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। 57 साल की उम्र में रेस में 14 हजार मीटर कि उचाई को पूरा किया । इस राइड के दौरान दुनियाभर के 1900 प्रतिभागियों को लंदन से शुरुआत कर स्कॉटलैंड कि राजधानी एडिनबर्ग होते हुए 1500 किमी का सफर तय कर वापस लंदन पहुंचना था द्य इस तरह का चैलेंज लेते हुए रेनू जी ने उसमें कीर्तिमान हासिल किया ये पूरे भारत के गौरवान्वित होने वाला पल है। कार्यक्रम के दौरान मुकेश मिश्रा, प्रवीण तिजारिया, दिनेश भवनानी, सुनील गौर, दीपक परनामी, राजीव मलिक, डॉ मोनिया गोयल आदि ग्रुप के मेंबर्स उपस्थित रहे।

पिंक सिटी रनर्स:100 डेज रन चैलेंज फिनिशर्स का किया सम्मान

मरूधर विशेष (पुष्पेंद्र कुमार शर्मा)

जयपुर। राजस्थान के सबसे बड़े रनिंग ग्रुप पिंक सिटी रनर्स के द्वारा 100 डेज रन चैलेंज के फिनिशर्स को पुरस्कृत किया गया ग्रुप के डायरेक्टर विष्णु टाक और डॉक्टर नमित शर्मा के अनुसार हर साल होने वाले इस इवेंट में प्रतिभागी को मिनिमम 2 किमी दौड़ना होता है। इस साल पिंकसिटी रनर्स दूसरे स्थान पर रहे। वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टाक ने देश में 8687 रनर्स में टॉप 20 में जगह बनाई। इस अवसर पर कुलदीप भार्गव, मयंक, दिनेश, जयदीप, हिमांशु, सरला, नीतिका, रेणुका आदि रनर्स उपस्थित रहे।